

मद्यभाण्ड Spr. (II) 2285.
 मधुच्छन्न als eine Bed. von वृत्तादन H. an. 4, 193. MED. n. 211.
 मधुपर्क 1) ĀPAST. 2, 8, 8.
 मधुफल f. Wassermelone RĪĀAN. im ÇKDr. u. षड्भुजा.
 मधुमति (so zu lesen st. मधुपति) m. N. pr. = Mahomed KĀLAĀKRA 1, 153.
 मधुर्पटोली s. u. राजपटोल 2).
 मधुलिङ्ग adj. am Ende eines comp. der den Honig von — geleckt hat BuĀg. P. 6, 3, 33.
 मधुषुत्, lies *auspressend* st. *erzeugend*.
 मधुष्पन्द s. मधुस्पन्द.
 मधुसहाय, lies den Lenz zum Gefährten habend.
 मधूय्, °पति denom. von मधु PAT. a. a. O. 8, 73, a.
 मध्यम 3) Z. 4 lies 3, 2081 st. 1, 2081. — 4) a) TBr. 3, 11, 9, 6 bedeutet das Wort Uterus (Comm.), welche Bed. mit der Stelle als e) aufzuführen ist.
 मध्यमन्दिर n. die weibliche Scham und der After Spr. (II) 3411.
 मध्यमपद, °लोपिन् VĀMANA 5, 2, 16.
 मध्यमपुरुष m. eine best. Personification SĪMAVIDH. Br. 1, 2, 5.
 मध्यमभाव m. = मध्यभाव Spr. (II) 176.
 मध्यमात्रेय, richtiger der zwischen dem jüngern und ältern Ātreja liegende Ā.
 मध्यात्तर्विस्तरलिपि und मध्या umzustellen.
 मध्यात्तविभागशास्त्र, मध्यात्तविभङ्ग° die richtigere Form.
 मध्येपद्मम् adv. in einer Lotusblüte Cit. bei VĀMANA 5, 2, 66.
 मध्येसभम् R. ed. Bomb. 1, 4, 13.
 मन = मनस् in परजनमनरञ्जनी Spr. (II) 1598.
 मनःशिला HEM. JOGAÇ. 3, 106.
 मनस् 1) a) मनसेव विनिर्मितम् so v. a. in einem Nu geschaffen R. ed. Bomb. 1, 13, 39.
 मनस्क 2) निर्विशेष° HEM. JOGAÇ. 1, 2. अनिरुद्ध° 4, 38.
 मनःसंताप, lies 95, 14.
 मनीषिन् Sp. 526, Z. 4. 5 मनीषिणा ist trotz der absonderlichen Form der Name des Metrums, das auch बुद्धि heisst. Man könnte मनीषिका vermuthen.
 मन्य 2) b) Gatte VARĀH. BRH. S. 78, 15.
 मनोरथ der Wagen Herz, das als Wagen gedachte Herz: संकल्पक्य-संपुक्तिर्यात्तीमिव मनोरथैः R. 5, 21, 6.
 मत्सु 4) यत्° adj. Cit. bei VĀMANA 4, 1, 2. — Vgl. निर्मत्सु oben.
 मत्सु 3) n. Spr. (II) 1498.
 मत्सूल 2) Spr. (II) 4359. Vgl. म्मूलमत्सुतत्त्वं HEM. JOGAÇ. 1, 5.
 मत्सुप् mit उदा s. oben उदामत्सुप्.
 मत्सुवाद m. das Hersagen von Zaubersprüchen, Zauberkunst Spr. (II) 1187.
 मत्सुसाधक (Nachträge), genauer Zurechtmacher eines Zauberspruchs.
 मत्सुसाधन, genauer das Zurechtmachen eines Zauberspruchs.
 मन्थक adj. reibend: मध्यमन्थकमन्थानसंयोगादग्निसंभवः KĀRAKA 1, 7, 8.
 मन्थान m. ein best. Werkzeug zum Reiben des Feners; s. oben u. मन्थक.

मन्दक adj. spärlich: दधि PAT. a. a. O. 2, 332, a.
 मन्दार 1) e) N. pr. eines Berges KĀLAĀKRA 1, 16.
 मन्दुरज adj. PAT. a. a. O. 6, 81, b. 6(4), 41, a; vgl. P. 6, 2, 83.
 मन्मनत्र (von मन्मन) n. Bez. eines best. Gebrechens der Sprachorgane HEM. JOGAÇ. 2, 53.
 मन्यु vgl. noch वृष°, सकृत्°.
 मरन्द Verz. d. Oxf. H. 130, b, 16.
 मरालिका s. u. परालिका.
 मरु 2) Z. 2 lies संसाध्य.
 मरुत्त soll = मरुद्धत् sein PAT. a. a. O. 1, 294, b. 5, 52, b.
 मरुदेव 2) HEM. JOGAÇ. 1, 11.
 1. मर्ज 2) abstreichen: तस्य दत्ता श्रीरपि मार्यते Spr. (II) 5429.
 — प्र Sp. 580, Z. 10 lies प्रमृष्टे.
 — वि 1) sich putzen, — rüsten RV. 7, 95, 8.
 मर्द्द mit उद्, पादाबुम्भान reinige deine Füße PAT. a. a. O. 1, 231, b.
 — संवि s. संविमर्द्द. — Vgl. मर्द्द.
 मर्मग, बाणैः सुमर्मगैः Spr. (II) 3256.
 मर्म्य mit म्मा vgl. आमर्ष oben.
 मर्ष 2) mit gen. der Person Jmd Etwas nachsehen Spr. (II) 2640 (act.). 4054 (med.).
 — सम् s. संमर्ष.
 मलद 1) R. ed. Bomb. 1, 24, 18. 23. 25. 29.
 मलायन (मल + अयन) n. Weg der Excretionen, z. B. After KĀRAKA 1, 7, 8.
 मलिन Sp. 600, Z. 3 lies खल.
 मसीर m. pl. N. pr. eines Volkes MBH. 6, 360 nach der Lesart der ed. Bomb., समीर ed. Calc.
 मसृणत् n. nom. abstr. von मसृण 1) VĀMANA 3, 1, 10.
 मस्करिन् 1) मा कृत कर्माणि शास्त्रिः श्रेयसोत्पाकृतो मस्करि परित्रा-
 जकः PAT. a. a. O. 6, 58, a.
 3. मक्षु 2) a) मक्षुषु Spr. (II) 1509.
 मक्षुन (von 1. मक्षु) n. das Preisen: जिनेश° Spr. (II) 2329.
 मक्षुनीय, °कर्मन् MBH. 4, 2088 nach der Lesart der ed. Bomb.
 मक्षुत्, मक्षुत्त वैरम् st. मक्षुदैरम् MBH. 1, 1155. मक्षुत्तः संक्षुरो येन तन्मक्षुत्तम् NILAK.
 मक्षुर्द्धिन् adj. = 2 मक्षुर्द्धि MBH. 8, 4802.
 मक्षुत्तक 2) H. an. 3, 100.
 मक्षुत्तकाश ist N. pr. eines Varsha. Die zweite Zeile zu streichen.
 मक्षुत्तटा ist N. einer Pflanze: s. रुद्रजटा.
 मक्षुत्तान m. 1) Z. 2. 3 die aus MBH. citirte Stelle ist Spr. (II) 2505.
 2. मक्षुत्तान adj. von vielen Menschen besetzt: Haus MBH. 4, 382 nach der Lesart der ed. Bomb.
 मक्षुत्तान्न n. als Synonym von कोष्ठ 1) KĀRAKA 1, 11.
 मक्षुत्तान्नील 5) n. ein best. Augenmittel KĀRAKA 8, 24.
 मक्षुत्त st. मक्षुत्त mit Mahar endigend MBH. 13, 802. — Vgl. auch oben u. मक्षुत्.
 मक्षुत्तार m. eine best. Personification SĪMAVIDH. Br. 1, 2, 5.
 मक्षुत्तुत्रीय्, °पति denom. von मक्षुत्तुत्र, wenn dieses so v. a. मक्षुत्तुत्रे ist, PAT. a. a. O. 3, 14, b.